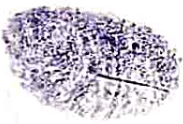


17.4.26

पत्रावली पेश हुई, वकील प्रार्थी SM  
माजिद उपरिचय, अप्रार्थी अधिवक्ता अनुपारिचय  
प्रकरण आवश्यक प्रकृती का होने से अधिवक्ता  
प्रार्थी की एक तरफा बद्रस खुनी गई  
अधिवक्ता प्रार्थी ने अपनी बद्रस में निवेदन  
फिया की मीजा भरेव परवार इल्का भरेव  
के शवात सं. नया 270 पुराना 275 में

मे वर्गीत आराजी 1017/17 रकबा 1.7280  
 हेरियेय भूमी, एवं रवाता सं. नमा 53 पुराना 51  
 मे वर्गीत आराजी 167, 168, 169, 222, 223  
 249/1, 249/2, 270 कुल क्तिग 8 कुल रकबा  
 3.0132 हेरियेय भूमी, व रवाता न. नमा 262  
 पुराना 267 मे वर्गीत आराजीगत 1018, 1019/1,  
 1055, 1056, 1058, 853, 854/1 कुल क्तिग 07  
 कुल रकबा 1.2636 हेरियेय भूमी स्थित  
 जो जी प्राधी एवं अप्राधी जी संयुक्त रवातेदारी  
 भूमी के प्रतितादीगत संयुक्त सम्पति के  
 विक्रम करने की निमत से सम्पूर्ण संयुक्त भूमी  
 पर कब्जा किया जा रहा है, तथा मकान  
 निर्माण करने हेतु पत्थर डाले जा रहे, प्राधी  
 द्वारा अप्राधी को उक्त कृत्य करने से मना  
 किया गया तो प्राधीको की संस्था  
 (जभादा) कोते व अपनी ताकत के बल पर  
 प्राधी के साथ मारपीट करने को उताव दे गये  
 अप्राधीको को उक्त कृत्य करने से नही रोकना  
 गया तो प्राधीको अपूरणीक क्षति होने की  
 संभावना है. अतः अपनी इच्छितम बद्रस  
 के अंत में अप्राधीको को उक्त कृत्य करने  
 से रोकने व रेकोर्ड की प्रथा स्थिती बनाये  
 रखने तथा उक्त भूमी के पान रवुर्द-बुर्द  
 जारी करने बाबत झूलनाद निस्तारण कोते  
 तक र-थाई निधेधारा जारी करमाये जाने  
 का निवेदन किया गया, समते वारी की  
 एक तरफा इच्छित बद्रस पर मगत किया  
 एवं पत्रावलीको का आवलोकन किया. मौजा  
 भरेव के रकबा सं. 270, रवाता सं. 53  
 रवाता सं. 262 मे वर्गीत आराजीगत  
 प्राधी व अप्राधी की संयुक्त रवातेदारी के  
 जब तक संयुक्त रवातेदारी का विधिवत  
 विभाजन नही हो जाता, तब तक प्रत्येक  
 इंच को मालीक एवं स्वामी होता है, अप्राधी  
 संयुक्त भूमी पर कब्जा करने हेतु आमादा है  
 जिससे प्रथम दुर्घम प्राधी के पक्ष में



## फर्द अहकाम

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी लसाडिया, जिला-सलुम्बर (राज.)

वनाम \_\_\_\_\_  
 मुकदमा \_\_\_\_\_ पत्रावली संख्या \_\_\_\_\_ सन \_\_\_\_\_

तारीख हुकम	कार्यवाही विवरण	हस्ताक्षर पार्टी
	<p>द्वैता प्रतित द्वैता है, इसी स्थिति में अप्राप्तियों को उक्त कृत्त करने से रोक जाता उचित प्रतित द्वैता है।</p> <p>अतः भोजा भरेव प (नगर इल्का) भरेव श्री जमा बन्दी सम्बत, 2015-18 के रबरा सं. 270, 53, 262 में वर्णित झाराती की भूमी के मौके एवं रेकर्ड की तथा स्थिति व संयुक्त सम्पत्ति को खुर्द-फुर्द जारी करने हेतु उभयपक्ष को मूल वाद निस्तारण होने तक उक्त झाराती पर र-धार्ड निषेधाज्ञा जारी कि जाती है, साथ ही तदधीनदा लसाडिया को जमाबन्दी के र-धार्ड निषेधाज्ञा का नोट अंकित करने हेतु मिलना जावे, ता फेशला मुल वाद के साथ संलग्न रहे।</p> <p>पत्रावली निर्णित द्वैता संख्या से कम कि जावे।</p> <p>निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।</p>	

